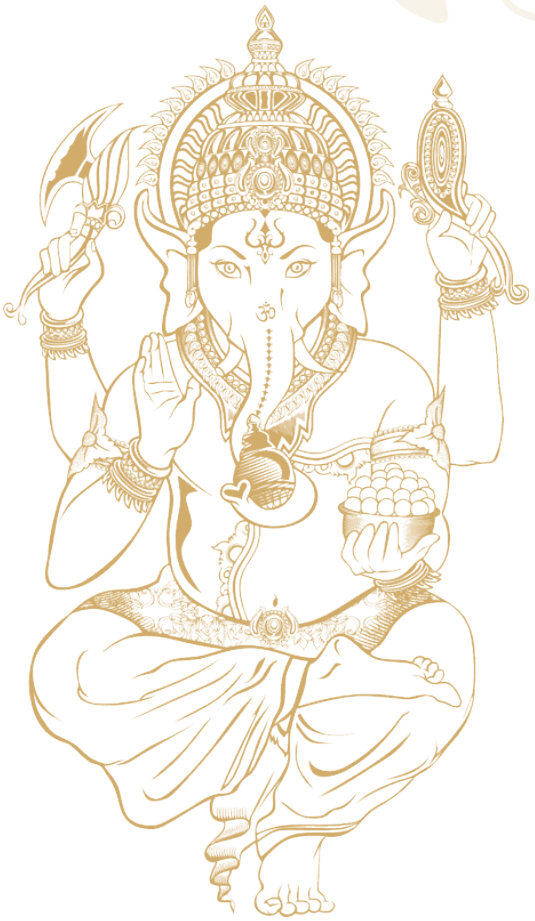

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/08/1987	जन्म तिथि	19/10/1986
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 21:55:00	जन्म समय	12:47:00 घंटे
घटी 40:47:53	जन्म समय(घटी)	16:40:33 घटी
India	देश	India
Sitapur	स्थान	Lucknow
25:11:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
80:52:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:32	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:50	सूर्योदय	06:08:00
18:48:39	सूर्यास्त	17:34:40
23:41:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:40:14

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 1वर्ष 2मा 21दि		22:20:59	मीन	लग्न	मक	00:42:06	शुक्र 11वर्ष 4मा 8दि	
मंगल		19:59:47	कर्क	सूर्य	तुला	01:56:22	राहु	
27/10/2024		10:59:48	धनु	चंद्र	मेष	19:05:46	26/02/2021	
28/10/2031		26:03:06	कर्क	मंगल	मक	12:09:47	26/02/2039	
मंगल	26/03/2025	05:56:16	कर्क	बुध	तुला	26:06:38	राहु	09/11/2023
राहु	13/04/2026	05:45:39	मेष	गुरु व	कुंभ	19:58:50	गुरु	03/04/2026
गुरु	20/03/2027	15:25:56	कर्क	शुक्र व	तुला	26:27:56	शनि	07/02/2029
शनि	28/04/2028	20:58:45	वृश्चि व	शनि	वृश्चि	13:21:03	बुध	28/08/2031
बुध	25/04/2029	09:54:22	मीन व	राहु व	मीन	27:13:24	केतु	14/09/2032
केतु	21/09/2029	09:54:22	कन्या व	केतु व	कन्या	27:13:24	शुक्र	15/09/2035
शुक्र	21/11/2030	29:18:40	वृश्चि व	हर्ष	वृश्चि	25:49:34	सूर्य	09/08/2036
सूर्य	29/03/2031	11:59:10	धनु व	नेप	धनु	09:41:32	चन्द्र	08/02/2038
चन्द्र	28/10/2031	13:34:24	तुला	प्लूटो	तुला	13:09:00	मंगल	26/02/2039

लग्न-चलित

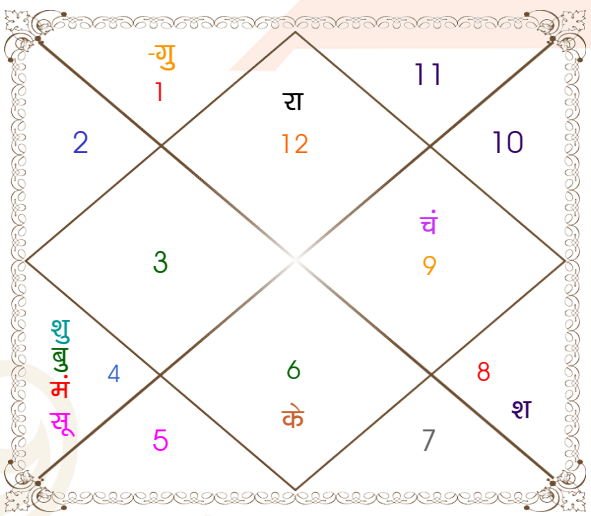

लग्न-चलित

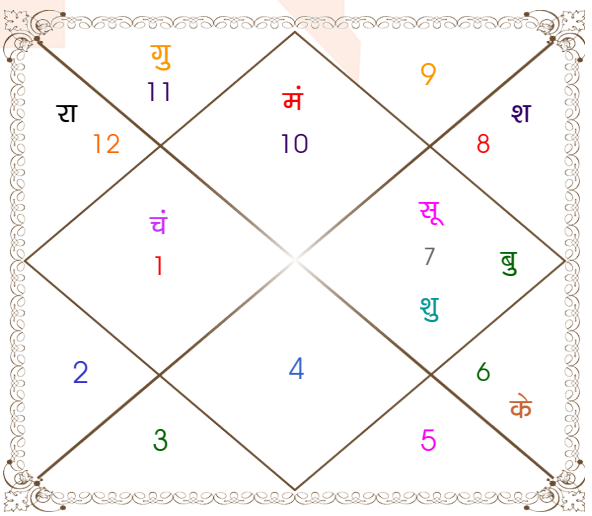

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।